>

Title: Need to extend social security benefits to the Beedi workers in the Country.

श्री गणेश सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदय, देश के अंदर मौजूदा समय में बीड़ी श्रमिक जिनकी संख्या देश में 2.70 करोड़ से अधिक है, अत्यंत गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। बीड़ी ठेकेदारों द्वारा जहां एक ओर इनका शोषण हो रहा है वहीं दूसरी तरफ केन्द्र सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधायें पर्याप्त नहीं हैं। आज तक इन मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी तक तय नहीं की जा सकी। कहीं तो 40 रूपये और कहीं 50 रूपया मजदूरी मिलती है। इन श्रमिकों में से अधिकांश श्रमिकों के न तो परिचय पत्र बन पाये और न ही भविष्य निधि के हकदार हो पाये। केन्द्र सरकार ने स्वास्थ्य और आवास व्यवस्था हेतु सुविधाएं देने का प्रावधान तो आरंभ किया है लेकिन चिकित्सकों के बिना अस्पताल बंद पड़े हैं और आवास व्यवस्था भी न के बराबर है।

बीड़ी उद्योग को विश्व स्वास्थ्य संगठन के दवाब में भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बंद किये जाने की पहल की जा रही है लेकिन करोड़ों बीड़ी श्रमिकों के लिए वैकल्पिक रोजी रोटी की व्यवस्था करने के उपरांत ही बीड़ी उद्योग को बंद किया जाये। फिलहाल बीड़ी श्रमिकों के परिचय पत्र, आवास एवं चिकित्सा सुविधा सभी को उपलब्ध करायी जाये एवं उनके भविष्य निधि की भी व्यवस्था करायी जाये।

---

* Treated as laid on the Table.